Skill Development Programme

For Answer Writing

Indian Society (Model Answer)

DATE : 19-April-2018 **TIME : 03:15 pm**

मुख्य परीक्षा

प्रश्न- ''समकालीन भारत में जाति आधारित जनगणना कुछेक हानियों के बावजूद भी आवश्यक एवं प्रासंगिक है।'' उपर्युक्त कथन की समीक्षा कीजिए। (150 शब्द)

"The caste based census in contemporary India is still necessary and relevant despite some disadvantages." Evaluate the above statement. (150 Words)

MODEL ANSWER

मुख्य बिन्दु

- भूमिका में जाति आधारित जनगणना को संक्षिप्त में बताएं।
- अगले पैरा में जाति आधारित जनगणना का उद्देश्य स्पष्ट करें।
- फिर अगले पैरा में अपने तर्क प्रस्तुत करें।
- अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

उत्तर- भारत में रहने वाली जनसंख्या का जातिवाद विवरण जिसमें जातीय आधार पर व्यक्तियों की सामाजिक, आर्थिक व शैक्षिक स्थिति का विवरण प्राप्त किया जाता है तब उसे जाति आधारित जनगणना की संज्ञा दी जाती है।

प्रमुख उद्देश्य-

- ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में गरीबी रेखा से नीचे रह रहे परिवारों की जानकारी प्राप्त करना।
- विभिन्न जातियों की सामाजिक, शैक्षिक तथा आर्थिक स्थिति की जानकारी प्राप्त करना।

पक्ष में तर्क-

- विभिन्न जातियों की सही संख्या योग स्थिति के आकलन द्वारा उनके लिए समुचित विकास कार्यक्रमों का क्रियान्वयन संभव।
- गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली जनसंख्या की दशा एवं प्रकृति की पहचान करना संभव और इसके लिए समुचित विकास कार्यक्रमों का क्रियान्वयन करना संभव।
- सामाजिक न्याय से मुक्त विकसित भारत का निर्माण करना संभव।

विपक्ष का तर्क-

- विभिन्न जातियों के मध्य ईर्ष्या एवं द्वेष की भावना में वृद्धि संभव।
- सरकारी सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए बदलकर दर्ज करवाने की संभावना फलतः सामाजिक न्याय का पक्ष बाधित।
- जाति आधारित राजनीति को बढ़ावा, लोकतंत्र को खतरा।
- आरक्षण के मुद्दे पर विभिन्न जातियों के मध्य तनाव एवं संघर्ष में वृद्धि की संभावना।

अतः यह निष्कर्ष है कि समकालीन भारत में जाति आधारित जनगणना कुछ एक हानियों के बावजूद भी आवश्यक एवं प्रांसगिक है, क्योंकि इससे न केवल विकास कार्यक्रम को बाधित लोगों तक पहुँचाने में मदद मिलेगी, बल्कि आरक्षण व्यवस्था का तार्किकीकरण करना भी संभव हो पाएगा।

GS World Committed To Excellence